NANCY INTERNATIONAL SCHOOL

GANDHI JAYANTHI CELEBRATIONS

BEST FIVE ENTRIES FROM NANCY INTERNATIONAL SCHOOL FOR THE GANDHI JAYANTI CELEBRATION.

“Creativity has the role in education of helping children to become like themselves instead of more like anyone else. It gives them a space to learn and trust their ideas with utmost confidence”.
On the occasion of Gandhi Jayanti, Nancy International School pays homage to the man who gave the world the philosophy of “Ahimsa” and envisioned an ‘Atmanirbhar Bharat’.
Under the guidance of Mr. Shiv Sehgal Principal DSB International School Rishikesh (Lead Collaborator, Hubs of Learning) Organized an online Inter School Activities on the 151 Birth Anniversary of “Mahatma Gandhi” in four different categories.

Category A (1 to 3)

Thought Writing Activity

S.No.	Student Name	Class
1.	Savleen Kaur	1st
2.	Ananya Ale	1st
3.	Manasvi Shah	3rd
4.	Aaradhya Bali	3rd
5.	Shiam Rawat	3rd

Category B(4 to 5)

Poster Making Activity

S.No.	Student Name	Class
1.	Yogesh Singh	4th
2.	Laxya Kuniyal	4th
3.	Shresth Kagra	4th
4.	Rishabh Kanyal	4th
5.	Aviral Bhatt	5th

Category C(6 to 8)

निबंध लेखन प्रतियोगिता

S.No.	Student Name	Class
1	Anjali Rawat	6th
2	Shreya Pundir	8th
3	Anushka Kanwar	7th
4	Sumaya	7th
5.	Tanishka Gurung	6th

Category D(9 to 11)

Essay Writing Competition

S.No.	Student Name	Class
1.	Yashika Gupta	10th
2.	Prabhjot kaur	11th

Name of the School: Nancy International School
Name of the Event Coordinator: Neelima Naithani
Contact: 8445196579
School Email ID: Nancy_48@ymail. com

Priyanka Monga
(Principal)
Nancy International School

CATEGORY A (1 TO 3) THOUGHT WRITING ACTIVITY

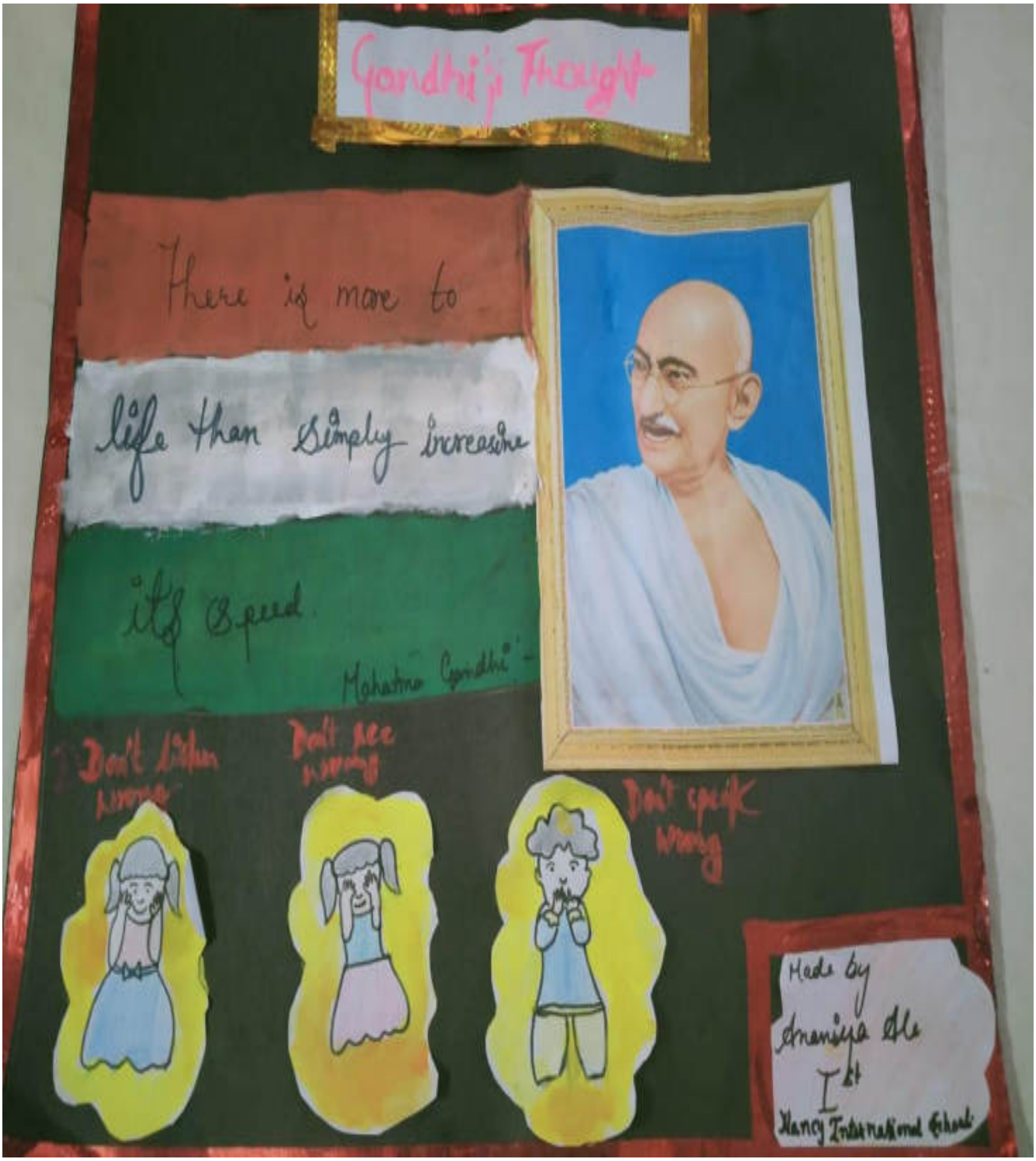

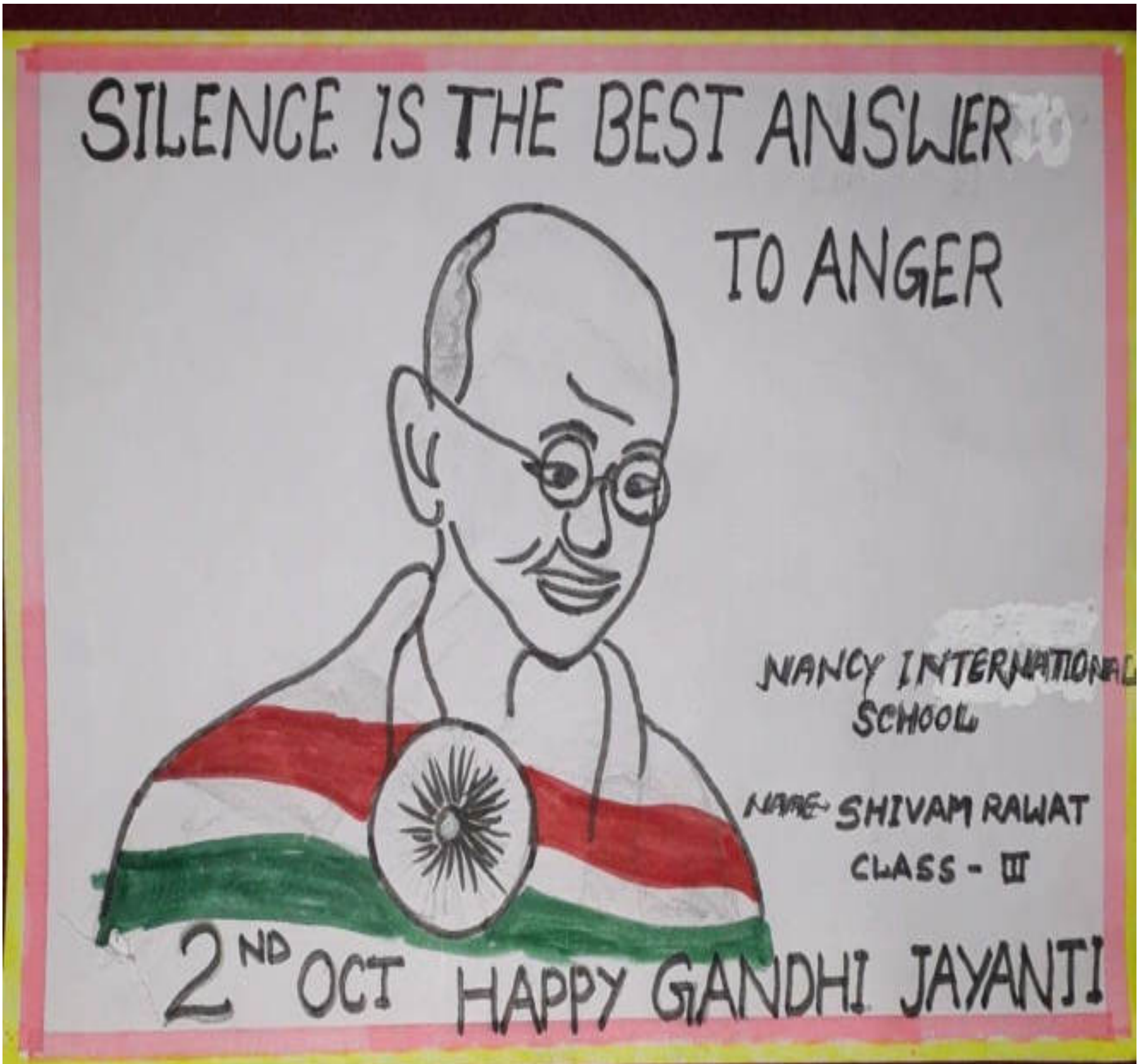
SILENCE IS THE BEST ANSWER
TO ANGER
NANCY INTERNATIONAL SCHOOL
NAME- SHIVAM RAWAT
CLASS - III
2ND OCT HAPPY GANDHI JAYANTI

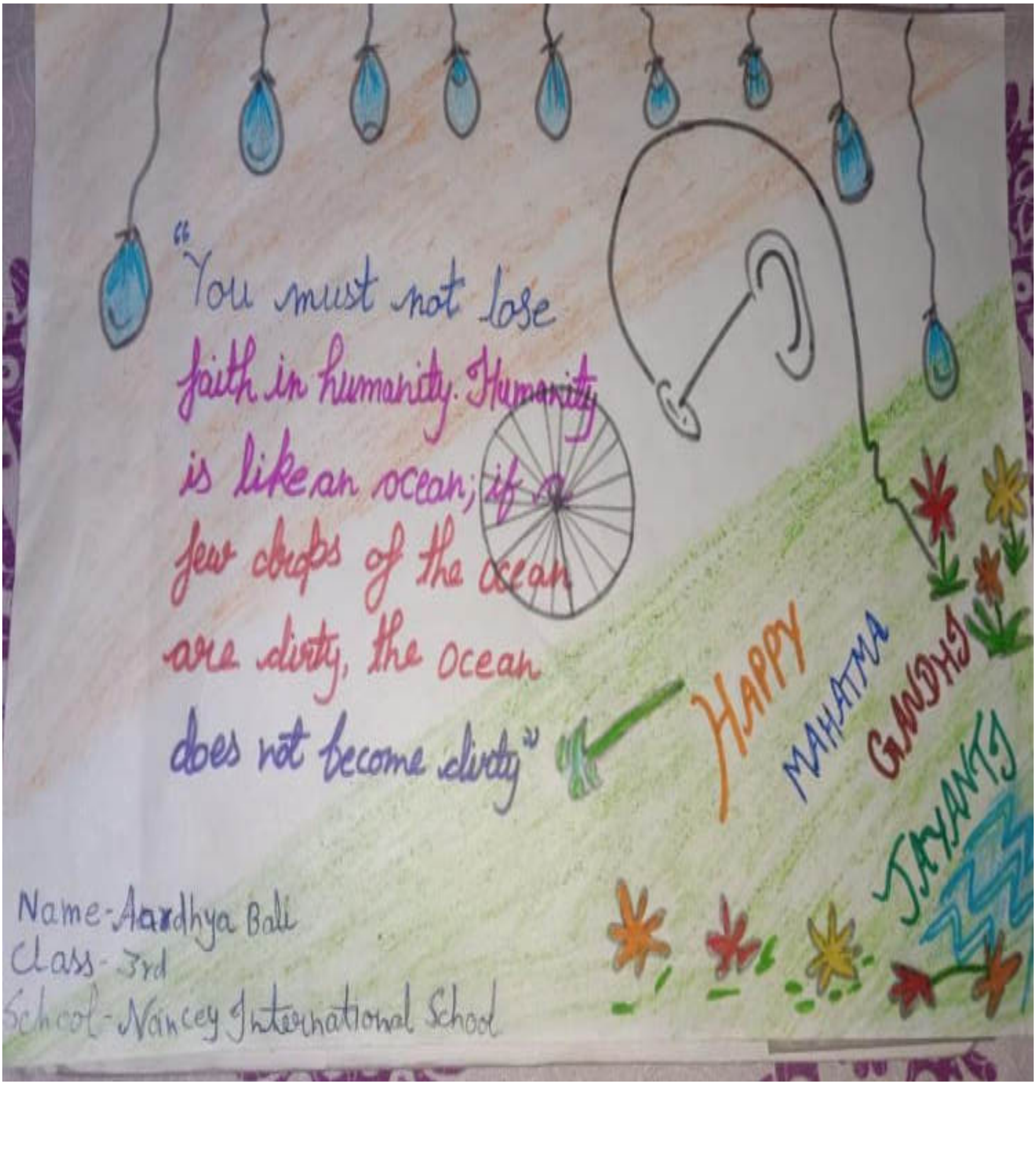
"You must not lose faith in humanity. Humanity is like an ocean; if a few drops of the ocean are dirty, the ocean does not become dirty"
HAPPY
MAHATMA
GANDHI
JAYANTI
Name-Aardhya Bali
Class-3rd
School-Nancey International School

MANASVI SHAH
CLASS – III rd
The weak
can never
forgive.
Forgiveness
is the attribute
of the strong

"This nation will remain the land of the free only so long as it is the home of the brave"
"The call of spinning wheel is the noblest of all because it is the call of love and love is Swaraj"
"Live as if you were to di tomorrow. Learn as if you were to live forever"
Mizaru (See no evil)
Mikazaru (Hear no evil)
Mazaru (Speak no evil)
Kaur
(N.I.S)
Nancy International School

CATEGORY B (4 and 5) Poster Making Activity

YOGESH SINGH CLASS-4TH

LAXYA KUNIYAL CLASS-4TH

AVIRAL BHATT CLASS-5TH

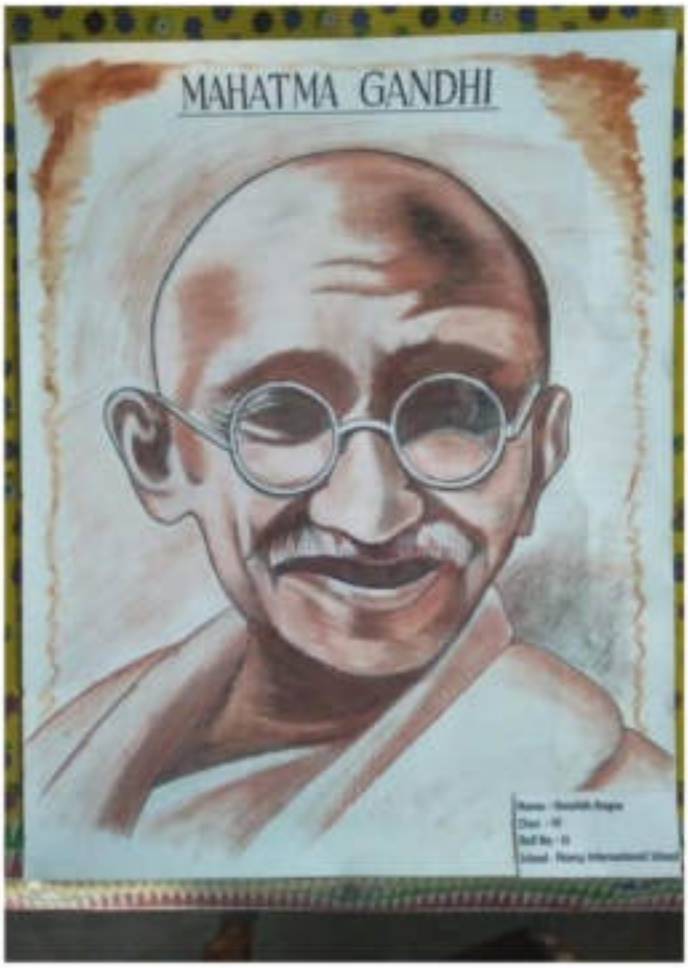

SHRESTHA KAGRA CLASS-4TH

RISHABH KANYAL CLASS-4TH

Name = Anjali Rawat
Class = 6

CATEGORY C (6 TO 8) *निबंध लेखन प्रतियोगिता*

School - [illegible]

निबंध

Topic = महात्मा गांधीजी और स्व

"स्वतंत्रता से ज्यादा महत्वपूर्ण है
स्वच्छता - महात्मा गांधी":

बापू के उक्त कथन से यह ध्वनित
होता है कि वह जीवन में स्वच्छता के
कितने बड़े हिमायती थे। सबसे बड़ी
बात यह है कि वह सिर्फ बाहरी स्व
यानी घर, पास-पड़ोस आदि के ही
पक्षधर नहीं थे, बल्कि मन की स्वच्छता के
भी प्रबल पक्षधर थे। उनका यह मान
था कि यदि मन और पड़ोस स्वच्छ न
होगा, तो अच्छे, सच्चे एवं ईमानदार वि
आना असंभव है। आंतरिक स्वच्छता को
वह बाह्य स्वच्छता के लिए आवश्यक
मानते थे। अपने इस दृष्टिकोण का अ

DATE / / 20
PAGE No

एक पुत्र में इस प्रकार रेखांकित किया – "वह जो सचमुच में भीतर से स्वच्छ है, वह अस्वच्छ बनकर नहीं रह सकता।" एक सुन्दर, पवित्र, समरस और बुराइयों से मुक्त समाज के निर्माण के लिए बापू के स्वच्छता दर्शन से श्रेष्ठ कोई अन्य दर्शन नहीं हो सकता।

आंतरिक स्वच्छता की महत्ता को बापू ने 10 दिसंबर, 1925 के यंग इंडिया के अंक में कुछ इस प्रकार रेखांकित किया था "आंतरिक स्वच्छता पहली वस्तु है, जिसे पढ़ाया जाना चाहिए, अन्य बातें प्रथम और सर्वाधिक महत्वपूर्ण पाठ सम्पन्न होने के बाद लागू की जानी चाहिए।" वह मानव प्रगति के लिए आंतरिक और बाहरी स्वच्छता को आवश्यक मानते थे। उन्होंने स्वच्छता को आत्मविकास एवं राष्ट्रविकास को सबसे महत्वपूर्ण अवयव माना और इसे इस प्रकार स्पष्ट किया- "एक पवित्र आत्मा के लिए एक स्वच्छ, शरीर शहर, राज्य और देश के लिए स्वच्छ रहना जरूरी होता है, ताकि इसमें रहने वाले लोग स्वच्छ और ईमानदार हों।" स्वच्छता का उनका दर्शन अत्यंत व्यापक

DATE / / 20
PAGE No.

था। इस व्यापकता को उन्होंने यह कह
कर व्यक्त किया कि यदि कोई व्यक्ति
स्वस्थ नहीं है, तो वह स्वस्थ नहीं है
तो वह स्वस्थ मनोदशा से ही स्वस्थ
चरित्र का विकास होगा।

School - Nancy International School

Name → Anushka Kanwar, class - 7th

निबंध → अहिंसा और सत्य के पुजारी
" महात्मा गाँधी "

मोहनदास करमचंद्र गाँधी जिसे पूरा देश राष्ट्रपिता और बापू के नाम से पुकारता है। महात्मा गाँधी अहिंसा के पुजारी थे। अहिंसा एक उनका मुख्य अस्त्र था।

गाँधी जी के तीन हथियार थे - सत्य, प्रेम और अहिंसा। गाँधी जी के जीवन से देश और विदेश के लोगों को शिक्षा मिलती है। भारत को आजादी की जंजीरों से बाहर निकालने में गाँधी जी का योगदान सारा विश्व जानता है, गाँधी जी ने अंग्रेजो के खिलाफ हिंसा न करते हुए अहिंसा का मार्ग अपनाया था, इन्होंने पूरे देश को एकजुट करके भारत की आजादी में हिस्सा लेने की एक प्रेरणा दी थी।

आज पूरा देश गाँधी जी के जन्म दिवस पर स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम को मना रहा है, वर्तमान में भारत के प्रधान मंत्री "श्री नरेन्द्र मोदी" भी गाँधी जी मार्ग पर चलते हुए देश को स्वच्छ बनाने का अच्छा कार्य कर रहे हैं।

देश की गुलामी की गन्दगी को साफ करना उनका एक कर्तव्य था, जिसमे देश के सभी लोगों का योगदान महत्वपूर्ण था, हमारा भी एक कर्तव्य बनता है कि अपने आस-पड़ोस की गंदगी और अपने समाज की गंदगी को साफ करे और एक स्वच्छ भारत बनाए। इसलिए मोदी जी ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर गाँधी जी जन्म दिवस के दिन रखी है।

Teacher's Signature ________

Name = Sumayya class = 7th
School = Nancy International school

४/१०/२०२० **निबंध** रविवार

विषय = महात्मा गांधी और स्वच्छता

★ महात्मा गांधी ने सदैव समग्र स्वच्छता की पैरोकारी की और संपूर्ण स्वच्छता के लिए इसे आवश्यक बताया। यही कारण है कि उन्होंने सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता पर बल नहीं दिया, अपितु समग्र रूप से सामाजिक स्वच्छता पर विशेष बल दिया। कहा कि स्वच्छता रखने वाला व्यक्ति अपनी स्वच्छता के साथ दूसरों की स्वच्छता के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो ऐसी स्वच्छता के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो ऐसी स्वच्छता बेईमानी है। उदाहरण के तौर पर इसे अपना घर साफ कर कूड़ा दूसरे के घर के बाहर छोड़ने के रूप में लिया जा सकता है। यदि सभी लोग ऐसा करने लगें, तो ऐसे तथाकथित स्वच्छ लोग अस्वच्छ वातावरण तथा अस्वच्छ समाज का ही निर्माण करेंगे। उन्होंने हमें यह सीख दी कि यदि व्यक्तिगत स्वच्छता में सामूहिक स्वच्छता के प्रति उत्तरदायित्व का बोध नहीं हो, तो ऐसी स्वच्छता सिर्फ दिखावा है।

गांधी जी ने हमे यह दायित्व-बोध करवाया
कि हम दूसरो के लिए गंदगी न फैलाए। खुद
जो गंदगी फैलाएं, उसकी सफाई भी स्वयं
करे। इसमे ऊंच-नीच का भेदभाव नही
होना चाहिए। स्वच्छता के संदर्भ मे 25
अप्रैल, 1929 के यंग इंडिया के अंक मे
बापू की यह टिप्पणी अत्यंत महत्वपूर्ण
है- "हम अपने घरो से गंदगी हटाने
मे विश्वास करते है, परन्तु हम समाज
की परवाह किए बगैर इसे गली मे फेंकने
मे भी विश्वास करते है। हम व्यक्तिगत
रूप से साफसुथरे रहते है, परन्तु राष्ट्र के
समाज के सदस्य के तौर पर नही, जिसमें
कोई व्यक्ति एक छोटा-सा अंश होता है
यही कारण है कि हम अपने घर के द्वार के
बाहर इतनी अधिक गंदगी और कूड़ा-
कचड़ा पड़ा हुआ पाते है हमारे-पास
कोई अजनबी अथवा बाहरी लोग गंदगी
फैलाने नही आते है। ये हम ही है, जो
अपने आस-पास रहते है। इस गंदगी
को फैलाकर बदहाली की स्थिति पैदा
कर देते है। जब हम कूड़े से भरा थैला
अपने दरवाजे या खिड़की से फेंकते है,
हम खुश हो सकते है कि हमारा घर
साफ है, परन्तु हमारा आस-पड़ोस भी
हमारी बस्ती का ही हिस्सा है ~~और~~

और यदि कोई जान-बूझकर इसे गंदा करने का काम करता है, तो पूरा परिसर गंदगी का ढेर हो जाएगा, क्योंकि किसी बस्ती में रहने वाला हर व्यक्ति एक ही तरह से व्यवहार करता है और उसे इस बात की कोई चिन्ता नहीं होति कि वह अपने पड़ोस, समुदाय और शहर को किस प्रकार गंदा कर रहा है।

धन्यवाद,

दिनांक - [illegible] अक्टूबर 2020
दिन - शुक्रवार

Name - Shreya
Class - 8th B
School - Nanak International School

अहिंसा और सत्य के पुजारी महात्मा गाँधी

अहिंसा को अपना धर्म मानने वाले मोहनदास करमचंद गाँधी स्वाधीनता संग्राम के राजनैतिक और आध्यात्मिक नेता थे। सत्याग्रह अहिंसा और सादगी को ही [illegible] मनुष्य जीवन का मूल मंत्र मानने वाले गांधी जी के इन्हीं आदर्शों से प्रभावित होने के बाद रविन्द्रनाथ टैगोर ने पहली बार उन्हें महात्मा अर्थात महान आत्मा का दर्जा दिया था। गाँधी जी ने अपना जीवन सत्य की व्यापक खोज में समर्पित कर दिया था। अपने इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने स्वयं अपनी अनुभवों को उन्होंने अपनी आत्मकथा "माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ" में संकलित किया था। [illegible] गाँधी जी के नेतृत्व में देशभर में महिलाओं के अधिकारों [illegible] दिलाने के लिए कई आंदोलन चलाए गए। उन्होंने अस्पृश्यता को जड़ से समाप्त करने के लिए भी कई यात्राएँ की। लेकिन विदेशी शासन से मुक्ति दिला भारत की जनता को आज़ाद कराना ही महात्मा गाँधी का सबसे प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की।

MAHATMA
GANDHI JI

महात्मा गाँधी का जीवन परिचय

महात्मा गाँधी के नाम से लोकप्रिय मोहनदास करमचंद गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को पोरबंदर गुजरात में हुआ था। पोरबंदर उस समय ब्रिटिश शासन के अंतर्गत बॉम्बे प्रेसिडेंसी का एक छोटा भाग था। उनका पैतृक घर [illegible] जाना जाता है। महात्मा गाँधी के पिता करमचंद गाँधी पोरबंदर रियासत के दीवान थे। उस समय की प्रथा का अनुसरण करते हुए बाल्यावस्था में ही महात्मा गाँधी का विवाह कस्तूरबा गाँधी से संपन्न हुआ था। कस्तूरबा गाँधी जो महात्मा गाँधी की अनुयायी और जनता "बा" के नाम से पुकारती थी। जब महात्मा गाँधी

पंद्रह वर्ष के थे तब इनकी पहली संतान का जन्म हुआ। लेकिन कुछ ही दिनों में उसकी मृत्यु हो गई। और पिता के एक वर्ष के भीतर ही मोहनदास करमचंद के पिता का भी निधन हो गया था। इसके बाद कस्तूरबा गाँधी और महात्मा गाँधी के चार पुत्र हुए। एक औसत विद्यार्थी के तौर पर महात्मा गाँधी ने पोरबंदर से प्राथमिक और राजकोट से हाई स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। मोहनदास करमचंद का परिवार उन्हें बैरिस्टर बनाना चाहता था। लेकिन वह पढ़ाई में ज्यादा रुचि नहीं रखते थे। इसीलिए कई परेशानियों के बाद उन्होंने भावनगर स्थित सामलदास कॉलेज से मैट्रिक की परीक्षा पास की। 4 सितंबर 1888 को गाँधी जी लंदन स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज में कानून की पढ़ाई करने और बैरिस्टर की ट्रेनिंग लेने के लिए ट्रेन से इंग्लैंड चले गए। लंदन में रहने के दौरान महात्मा गाँधी ने अपने पहनावे और बोलचाल में विदेशी संस्कृति को ग्रहण कर लिया था लेकिन खान-पान के मामले में वह शुद्ध शाकाहारी ही थे। किंतु जल्द ही उन्हें अपनी माता के गुजर जाने का पत्र मिला समाचार प्राप्त हुआ। उन्हें वापस भारत आना पड़ा।

नतिशा गुप्ता
कक्षा - छ
स्कूल - वेनसी इण्टरनेशनल स्कूल

महात्मा गाँधी और स्वच्छता

"स्वतंत्रता से ज्यादा महत्वपूर्ण है स्वच्छता महात्मा गाँधी" - बापू के उक्त कथन से यह ध्वनित होता है कि वह जीवन में स्वच्छता के कितने बड़े हिमायती थे। सबसे बड़ी बात यह है कि वह सिर्फ बाहरी स्वच्छता यानी घर, पास-पड़ोस आदि के ही पक्षधर नहीं थे, बल्कि मन की स्वच्छता के भी प्रबल पक्षधर थे। उनका यह मानना था कि यदि मन और पड़ोस स्वच्छ नहीं होगा, तो अच्छे, सच्चे एवं ईमानदार विचार आना असंभव है। आंतरिक स्वच्छता को वह बाह्य स्वच्छता के लिए आवश्यक मानते थे अपने इस दृष्टिकोण का उन्होंने एक प में इस प्रकार रेखांकित किया - "वह जो सचमुच में भीतर से स्वच्छ है, वह अस्वच्छ बनकर नहीं रह सकता।" एक सुन्दर, पवित्र, समरस और बुराइयों से

स्वच्छ लोग अस्वच्छ वातावरण तथा
अस्वच्छ समाज का ही निर्माण करेंगे।

गांधी जी ने हमें यह दायित्व-बोध
करवाया कि हम दूसरों के लिए गंदगी
न फैलाएं। खुद जो गंदगी फैलाएं,
उसकी सफाई भी स्वयं करें। इसमें
ऊँच-नीच का भेदभाव नहीं होना चाहिए।
स्वच्छता के संदर्भ में 25 अप्रैल, 1929
के यंग इंडिया के अंक में बापू की यह
टिप्पणी अत्यंत महत्वपूर्ण है - "हम अपने
घरों से गंदगी हटाने में विश्वास करते
हैं परन्तु हम समाज की परवाह किए
बगैर इसे गली में फेंकने में भी विश्वास
करते हैं। हम व्यक्तिगत रूप से साफ-
सुथरे रहते हैं परन्तु राष्ट्र के, समाज
के सदस्य के तौर पर नहीं, जिसमें कोई
व्यक्ति एक छोटा-सा अंश होता है। यही
कारण है कि हम अपने घर के द्वार
के बाहर इतनी अधिक गंदगी और
कूड़ा-कचड़ा पड़ा हुआ पाते हैं। इस
गंदगी को फैलाकर बदहाली की स्थिति
पैदा कर देते हैं।"

उन्होंने स्वच्छता को आत्मविकास एवं राष्ट्रविकास का सबसे महत्वपूर्ण अवयव माना और इसे इस प्रकार स्पष्ट किया " एक पवित्र आत्मा के लिए एक स्वच्छ शरीर में रहना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि किसी स्थान, शहर, राष्ट्र और देश के लिए स्वच्छ रहना जरूरी होता है. ताकि इसमें रहने" वाले लोग स्वच्छ और ईमानदार हो।

Category D (9 to 11) Essay Writing Competition

Gandhi- "A man of simple living and high thinking"

MahatmaGandhi,amanoftruewords,agreat leader, a true fighter who set an example of simple living and high thinking for us. Non- violence, truth, inspiration and great leadership qualitiesarewhatcometoourmindwhenwe hear hisname.

Hisdeterminationswerestrongandideasfirm enoughtoreachhisultimategoal.Helefthis successfulcareerofalawyertoparticipatein thelongchaseforIndependencealongwith otherfreedomfighters.Icanfindnearlyevery nattributesofasuccessfulleaderinthis great man.

HislessonshavealwaysinspiredmeandItruly believethattherearealotofthingsyoucan learn from the values of Gandhism.

Innovation:Non-violenceprobablywasone ofthegreatestinnovationsofMahatmaGandhi. Idon'tthinkhistoryhasanytrackrecordsofany freedom fighter or any country winning the battle of independence using the weapon of non-violence. But Gandhi was the only leader to make use of non-violence successfully to win a battle. His Dandi March was a successfuleffort whereheusedhisweaponofnon-violence.

Simplicity: I do not think history can ever produce a simple man like Mahatma Gandhi. Being such a great leader his way of living, teaching,booksandevenhisquotes werevery simple.Hissimplicityreflectsinhisideasand wayofliving.Simplicityisprobably hisgreatest virtue.

Truth:Gandhibelievedintruelivingandhis experiments with truth were countless. He always believed that being true to life can make your life easier. You may face quite a lot of hardship initially for being truthful but at the end you will emerge as a true winner.

Continuous learning: Gandhi being a great learneralwaysbelievedintheartofcontinuous learning.Hiscapabilityasalearnergavehimthe real authority over people. His lessons were highlypopularastheymotivatedthecommon people.

Sacrifice:This is the quality that truly admire about this man. Not only did he sacrifice a lot in order to achieve freedom but also sacrificed quite a lot after India had gained independence. He had even denied the position of higher authorities inGovernmentfor whichhewasthe prime choice.

His way of leading life was a message: Inspite of being a powerful speaker and prolific writer, Gandhi spoke very slowly in personal life and when it was required. His writings were very concise yet punchy. He always wanted his way of leading life spread the message. It was his simple living that helped him in committing his life for the well being of the people and his country.

Energetic: Gandhi was one leader who was known for his fasts. But this did not lower his confidence at all. He was an energetic leader and always encouraged his people to fight for the country.

I still remember it was in my 5th standard when I was first introduced to this great leader in my history class. The chapter was ‘Mahatma Gandhi- Father of Nation’ (I was raised in India). Since then whatever he said and wrote has inspired me throughout. What I admire in this man is his great display of strength.

Yashika Gupta Class-X

What Gandhi means in the 21st Century ...!!

The name of Mahatma Gandhi, today, transcends the bounds of race, religion, and nation-states, and has emerged as the Prophetic Voice of the twenty-first century Gandhi is remembered for his passionate adherence to the practice of Nonviolence and his supreme humanism After the Great Buddha and Jesus, he once again demonstrated that Non-violence could also be an effective instrument of social change.

Gandhi successfully demonstrated to a World, weary with wars and continuing destruction that adherence to Truth and Non-violence is not meant for individual behaviour alone but can be applied in global affairs too.

Gandhi had relentless and unshakable optimism. He remained an optimist till his last Gandhi would often say, "My optimism rests on my belief in the infinite possibilities of the individual to develop non-violence".

"Good" said Gandhi, "travels at a snail's pace" On another occasion, he wrote, "Non-violence is a plant of slow growth It grows imperceptibly but surely" The sheer power of these words and the impression they leave on our hearts, derives from the fact that they are the quiet expression of the credo of a man, whose beliefs and actions were in complete accord. Gandhi would have us work ceaselessly for the realisation of what the sociologists call "common human" values, for the triumph of the common human way of life.

Mahatma held up before all mankind the image of what every human being could be; he held up before us all a mirror reflecting the spiritual heights all of us could reach The world in which Gandhi was born, lived, worked and died, was beset by a number of problems, some peculiar to his age others recurrent in every age He worked for universal human values His life is a sure guide to a meaningful existence He embodied the Eternal Indian concept of the superior being-of the Mahatma Anyone can become a Mahatma if one makes a vocation of living the meaningful life- putting principle above expediency, duty above pleasure-service above self, as reflected in the life of the Buddha or several of our epic heroes. Gandhi had a dream for India Realizing this dream has become a nightmare Today, we are living in a constant adjustment to changing conditions, which require a different kind of discipline. Now it rests on our shoulders, yours and mine to see that the democratic values in our country remains intact and that social justice, equity, gender equality is achieved for all Rights should follow duties If we are able to achieve this, we shall be helping to reinstate Mahatma Gandhi's dream, I firmly believe it can be done. Gandhi's unfinished task is the biggest challenge before the youth After all it is their future It is their world Does not look like it Does it? But it is Gandhi had great faith in the ultimate success of his mission, because he had infinite faith in the individual's capacity to change He firmly held that the human nature is capable of radical reorientation; all one needs is a will to explore his own true self This explains why Gandhi, all through his life was striving to take humanity on to the path of spiritual and moral growth The progress of civilization, as it has evolved through the ages, id proof that human nature is a developing entity, capable of change for the better.

Remember that the contemporary crisis demands not only a careful analysis of the roots of current social disorder and strategies of transition away from the current violent system but also demands a total rejection of some of our present narrow cherished beliefs, images, creeds , and above all, a drastic reorientation of our life style and restructuring our political, social and economic institutions on radical moral lines.

Can we face the challenge of Gandhi's ideals and ideas? They have not yet been fully utilized The Revolutionary Gandhi, who was far ahead of his times, has not been fully understood by the younger generation Gandhi's thoughts need to be disseminated amongst our youth It is the ideas, which have a stupendous role in taking the human society forward; towards the desired pacifist goal. It is said that it is not the conquerors but the long line of men and women of thought, individually powerless, who are ultimately the rulers of the world Mahatma Gandhi certainly belongs to this August Hall of Fame- His Life's message will lead a new humanity on to a new path of Universal love and Harmony. Today, Gandhi is the sign at the World's crossroads. Is it too late to retrace the steps and follow the non-violent path of recovery shown by Mahatma Gandhi? But is there a future for us at all, if we don't- is the moot question.

Prabhjot kaur
11th st.
Nancy International school

Last modified: 4:29 pm